भारतीय किसानों के लिये वरदान

RCM-HARIT SANJIVANI

- **10 lakh farmers use Harit sanjivani Agro products in 25 states.**

- **OUR MISSION- ORGANIC FARMING.....**

Toward second sustainable Green Revolution.

Green Revaluation Was First Used In 1968 By

USAID
FROM THE AMERICAN PEOPLE

United States Agency for International Development Dr. William Gaud

हरित क्रांति का मुख्य उद्देश उत्पादन को बढ़ाना

AGRICULTURE

- **Hybridize seeds** (हायब्रिड बिज)
- **Synthetic Fertilizer** (रासायनिक खाद)
- **Pesticides** (कीटनाशक)

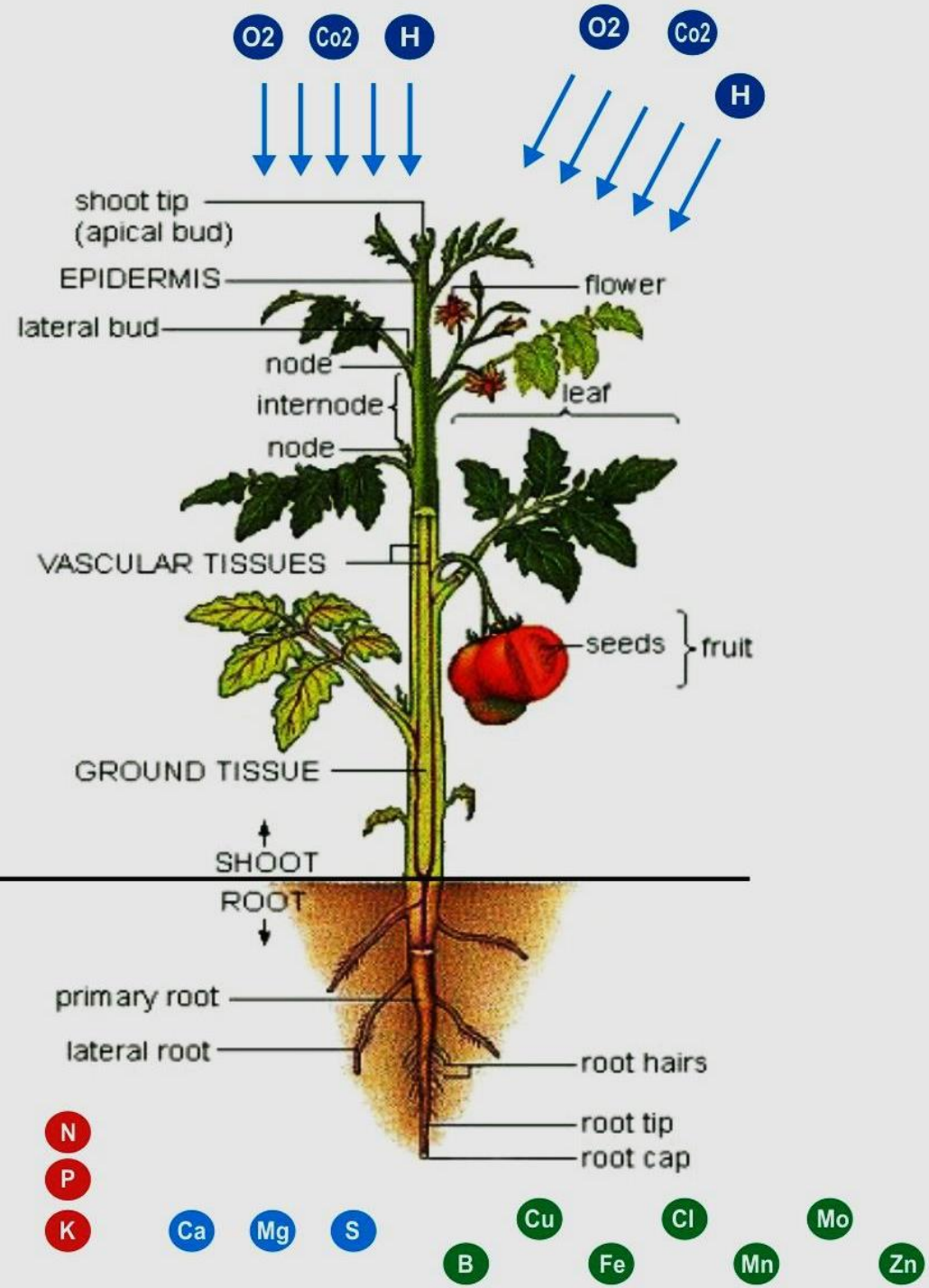

फसल का खाद

1) Carbon - C	1) कार्बन
2) Oxygen – O	2) ऑक्सिजन
3) Hydrogen - H	3) हायड्रोजन
Primary Nutrients	**मुख्य खाद**
1) Nitrogen – N	1) नायट्रोजन
2) Phosphorus – P	2) फॉस्परस
3) Potassium – K	3) पोटॅशियम
Secondary Nutrients	**दुय्यम खाद**
1) Calcium – Ca	1) कॅल्शीयम
2) Magnesium – Mg	2) मॅग्नेशियम
3) Sulfur – S	3) सल्फर
Micronutrients	**सुक्ष्म खाद**
1) Zinc - Zn	1) झींक
2) Boron – B	2) बोरॉन
3) Iron – Fe	3) आयर्न
4) Manganese – Mn	4) मँगेनिज
5) Copper – Cu	5) कॉपर
6) Molybdenum – Mo	6) मॉलीबडेनम
7) Chlorine – Cl	7) क्लोरीन

Synthetic Fertilizer (रासायनिक खाद)

Urea (Nitrogen) यूरिया (नायट्रोजन) 46%	→ 100 Kg-46Kg(Nitrogen) = 54 Kg (Carrier) (कैरियर)
Single Super Phosphate सिंगल सुपर फोस्परस 16%	→ 100Kg-16Kg(Phosphate)=84 Kg (Carrier) (कैरियर)
Muret Of Potash मुरेट ऑफ़ पोटास 60%	→ 100Kg -60Kg (Potash) = 40 Kg (Carrier) (कैरियर)

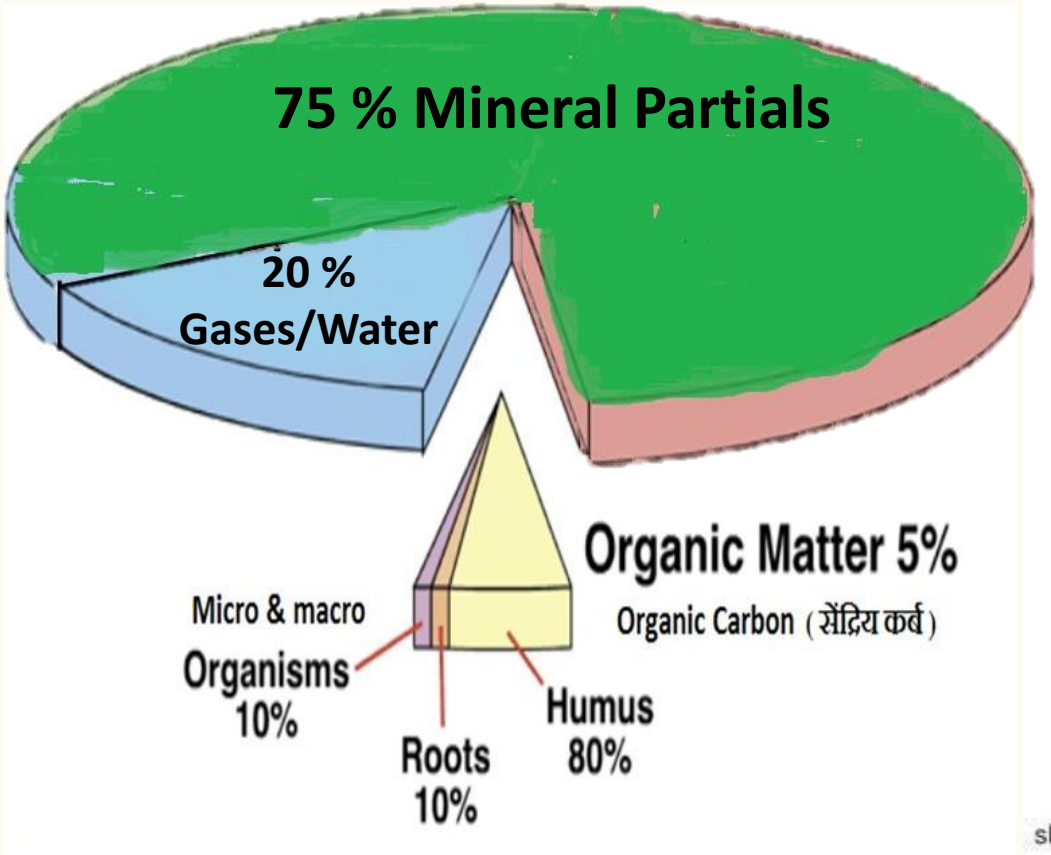
75 % Mineral Partials
20 %
Gases/Water
Organic Matter 5%
Organic Carbon (सेंद्रिय कर्ब)
Micro & macro
Organisms
10%
Roots
10%
Humus
80%

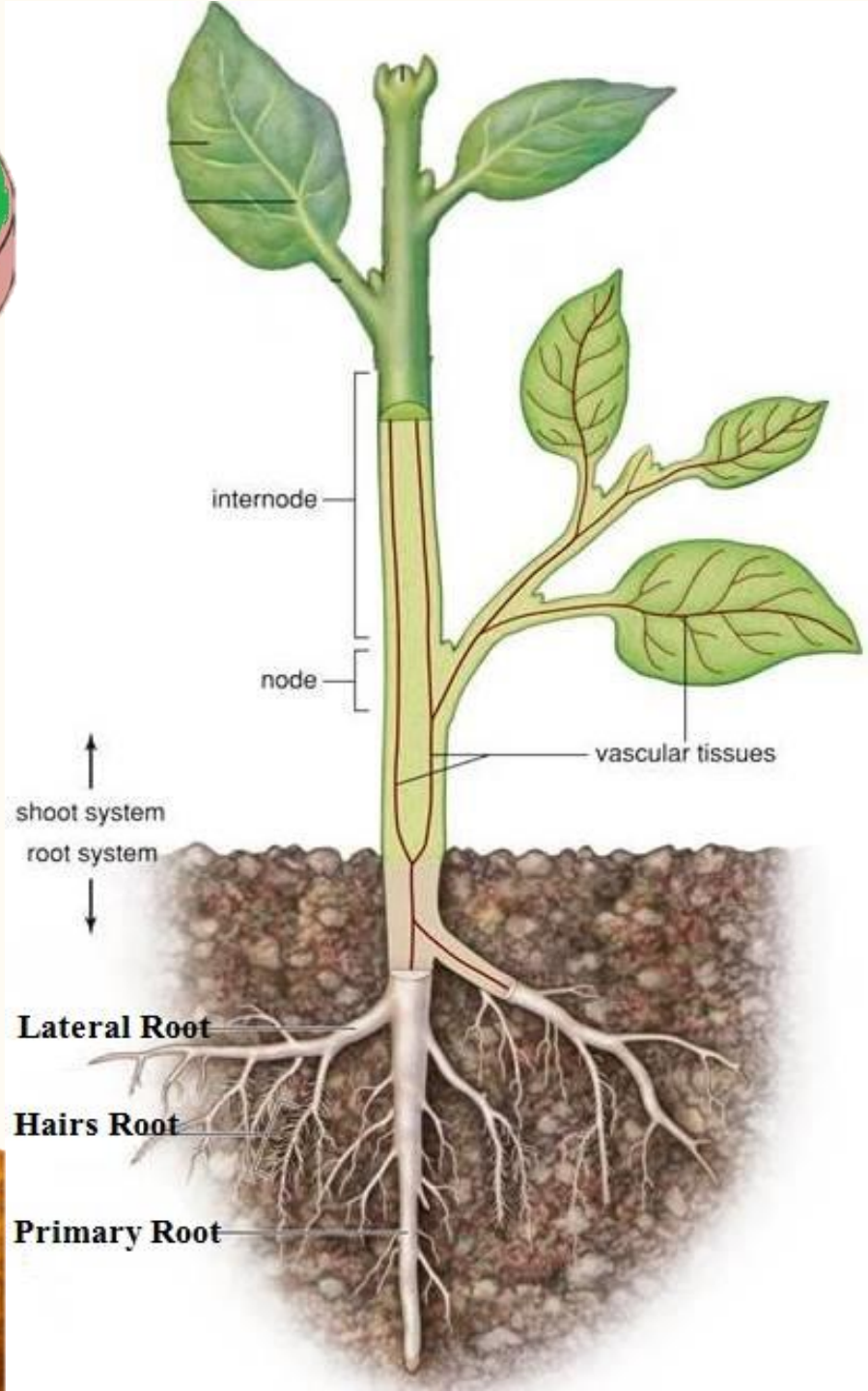
internode
node
vascular tissues
shoot system
root system
Lateral Root
Hairs Root
Primary Root

भारत देश के किसानों की सबसे बडी समस्या

बढ़ता खर्चा घटता उत्पादन

Metabolic Activities
चयापचय गतिविधियों

Respiratory System
श्वसन प्रणाली

Nutrient Availability
अन्नद्रव्य कि उपलब्धी

RCM- हरित संजीवनी™

Available : 750 gm (for 1 acre)– MRP – 1800

375 gm (for 1/2 acre)– MRP – 1000

HARIT SANJIVANI STAGE NO – 1 – 250 gm 1 एकड़ के लिए

- हरित संजीवनी प्रक्रिया -1 क्या है ?

हरित संजीवनी प्रक्रिया -1 ये उच्च तकनीक से Highly Concentrated निर्माण किया है|

- हरित संजीवनी प्रक्रिया – 1 जमीन में कब देना है ?

कोई भी फसल लगाते समय या लगाने के 30 दिनों तक आप इसे जमीन में दे सकते है|

हरित संजीवनी प्रक्रिया -1 जमीन में कैसे देना है|

HARIT SANJIVANI STAGE NO – 1 – 250 gm 1 एकड़ के लिए

हरित संजीवनी प्रक्रिया -1 का इस्तेमाल कैसे करें

- हरित संजीवनी प्रक्रिया -1 को किसी भी रासायनिक या आर्गेनिक खाद के साथ मिलाकर दे सकते है|
- 40 से 50 किलो सुखी मिट्टी में मिलाकर दे सकते है|
- ड्रिप इरिगेशन द्वारा दे सकते है|
- हरित संजीवनी प्रक्रिया-1 जमीन में देने के बाद पानी देना आवश्यक है|

RCM-हरित संजीवनी प्रक्रिया -1. इस्तेमाल के फायदे

- जमीन में रसायन के अघुलनशील घटकों को घोल देता है |
- जमीन भुरभुरी बनती है |
- जमीन में नमी बढती है |
- फसल के सूक्ष्म जड़ों की वृधि होने में मदद होती है |
- प्रक्रिया -1 के निरंतर इस्तेमाल करने से जमीन में मित्र जिवानुओं का विकास होने में मदद होती है |
- जमीन में ओरगेनिक कार्बन बढ़ाने में मदद मिलती है |
- पौधों को सूक्ष्म अन्नतत्व देने में मदद होती है |
- जमीन में नायट्रोजन को स्तिर करता है |

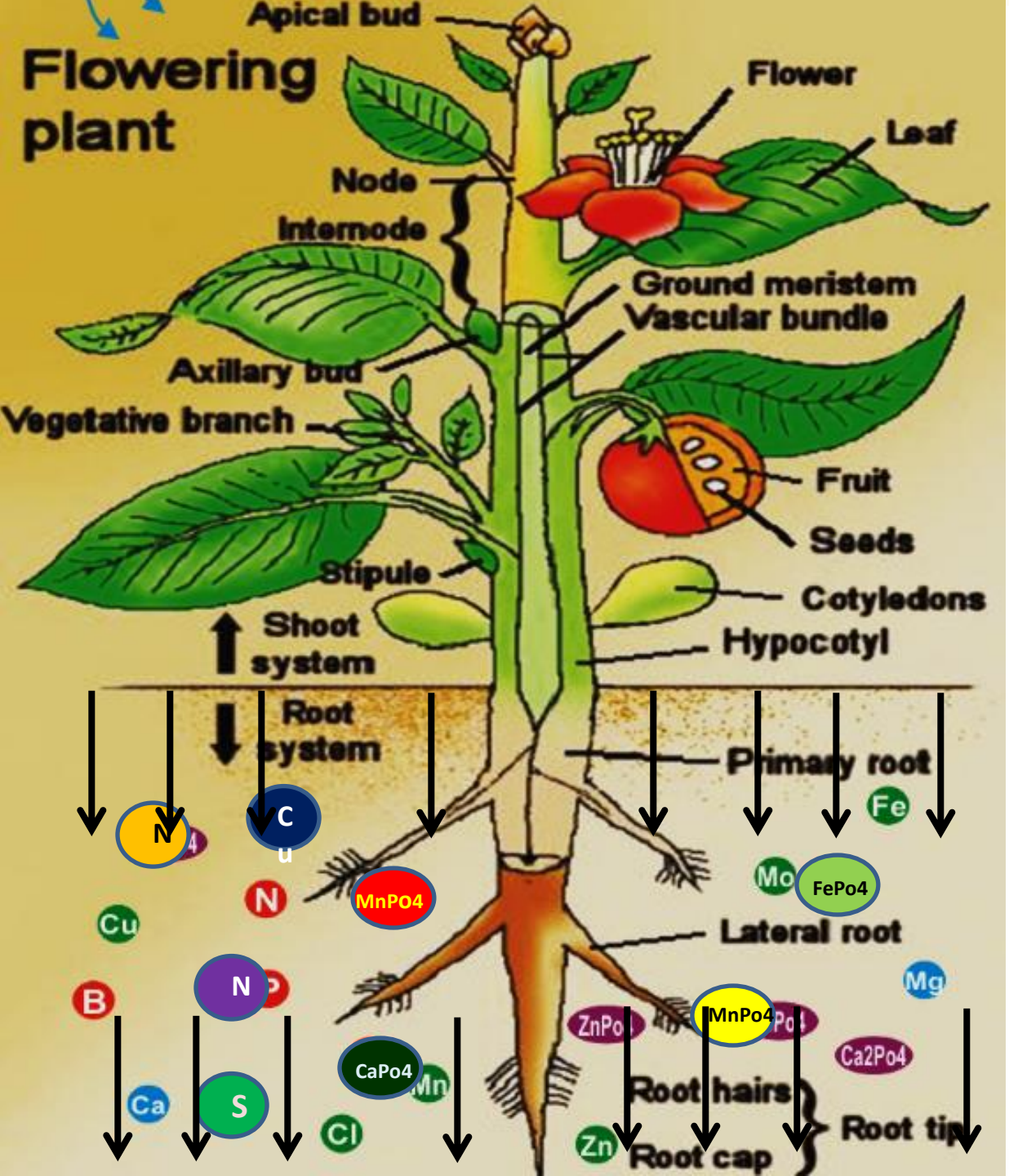

1) Carbon - C
2) Oxygen – O
3) Hydrogen - H

Primary Nutrients

1) Nitrogen – N
2) Phosphorus – P
3) Potassium – K

Secondary Nutrients

1) Calcium – Ca
2) Magnesium – Mg
3) Sulfur – S

Micronutrients

1) Zinc - Zn
2) Boron – B
3) Iron – Fe
4) Manganese – Mn
5) Copper – Cu
6) Molybdenum – Mo
7) Chlorine – Cl

मिट्टी के pH का फसल कों अन्नतत्व (खाद) उपलब्धता से सह-संबध

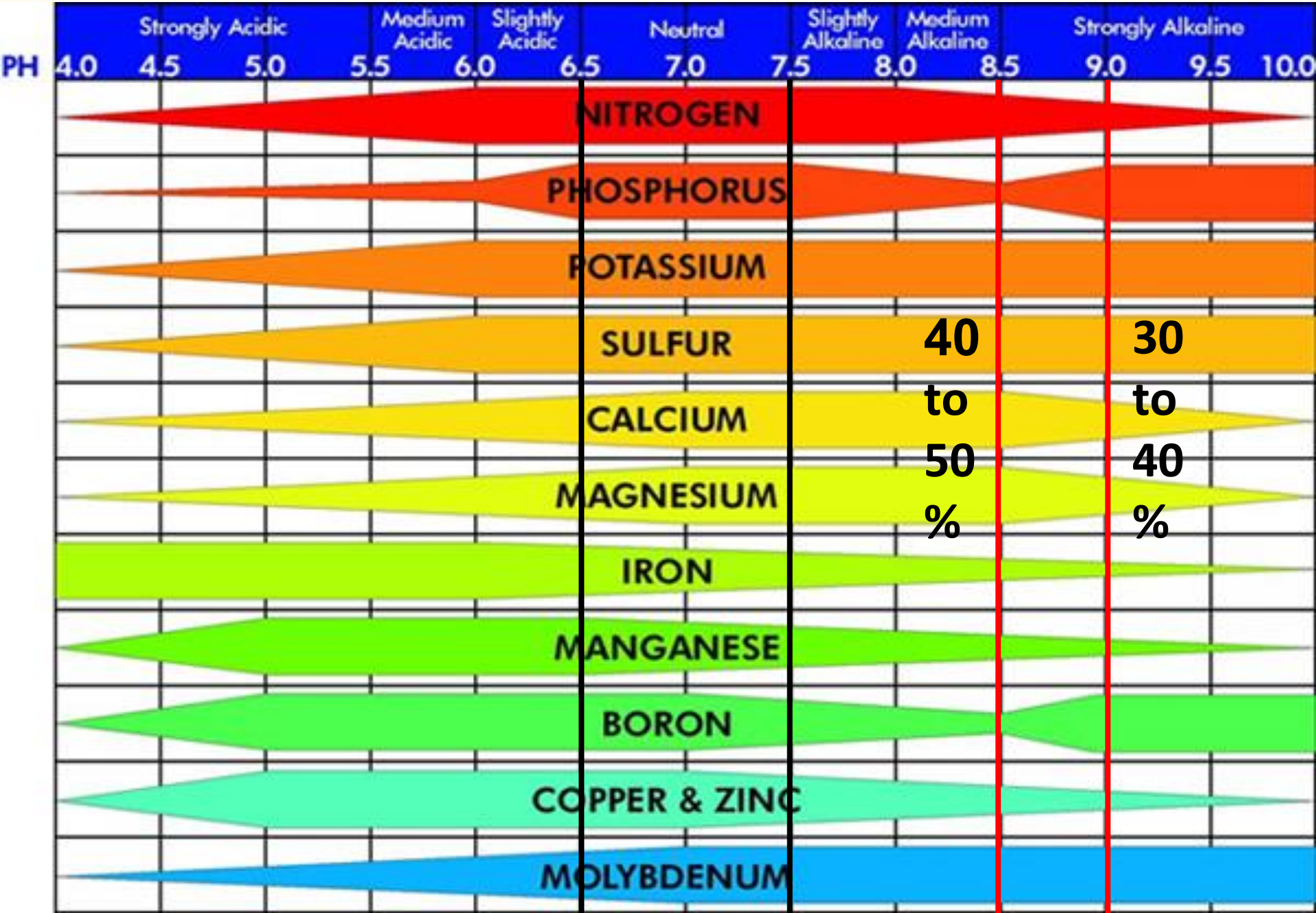

पेड़ के उम्र के अनुसार हरित संजीवनी प्रक्रिया -1 की ट्रीटमेंट की जाती है | जैसे

पेड़ की उम्र	हरित संजीवनी प्रक्रिया -1 प्रति पेड़ देना है
2 साल	2 ग्राम
5 साल	5 ग्राम
5 साल से उपर	10 ग्राम

RCM-हरित संजीवनी प्रक्रिया -२. 100 ग्राम

Childhood Stage Treatment. बचपन अवस्था की उपचार प्रक्रिया

- पौधों की संतुलित वृधि होती है|
- पौधों को संतुलित अन्नतत्व देने में मदद होती है |
- पत्तों का आकर बढ़कर क्लोरोफिल का प्रमाण बढ़ने में मदद होती है,परिणाम स्वरूप प्रकास संश्लेषण की क्रिया तेजी से होकर अन्नतत्त्वों की निर्मिती ज्यादा होती है |
- पौधों के जड़ों की सशक्त वृधि होती है |

RCM-हरित संजीवनी प्रक्रिया -3. 150 ग्राम

Stage of Puberty (यौवन अवस्था की उपचार प्रक्रिया)

- फसल की शाखायें बढती है |
- फसल में ज्यादा से ज्यादा मादा फूलों का निर्माण होता है |
- फसल की यौवन अवस्था में लगने वाले विशेष अन्नतत्व देने में मदद होती है |
- फसल में कार्बन और नायट्रोजन (C : N RATIO) के अनुपात को संतुलित रखने में मदद होती है |
- फसल की प्रतिकूल परिस्थिति में फूल और पत्तों को गिरने नही दिया जाता |
- फसल की सशक्त वृधि होती है |

RCM-हरित संजीवनी प्रक्रिया – 4. 250 ग्राम

Stage of Maturity प्रौड अवस्था की उपचार प्रक्रिया

- पत्तों और फूलों को संतुलित अन्नतत्त्व देने में मदद मिलती है |
- फलों की संतुलित वृधि होती है |
- ज्यादा से ज्यादा फूलों का रूपांतरण फलों में होता है |
- फल जल्दी एवं प्राकृतिक रूप से पकते है |
- फसल के तनाव स्थिति में जैसे फसल को पानी वक्त पर ना मिलना,तापमान का अचानक कम होना या बढ़ जाना,ऐसे समय पर भी फसल के पत्तों और फूलों की गिरावट को नियंत्रित रखने में मदद होती है |

RCM- हरित संजीवनी - प्रक्रिया 2,3,4 : इस्तेमाल कैसे करे ?

* 1 से 2 ग्राम RCM - हरित संजीवनी प्रक्रिया 2,3,4,
  1 लीटर पानी के अनुपात में उपयोग करना हैं ।
* किसी भी किटकनाशक,फफुंदीनाशक के साथ मिलाकर छिड़काव कर सकते है ।
* बोर्डो मिश्रण, अल्कालाईन दवा के साथ मिलाकर छिड़काव नहीं कर सकते ।

RCM- हरित संजीवनी कि विशेषताएँ :

* प्राकृतिक मतलब ऑरगॅनिक उत्पादन हैं ।
* रासायनिक छिड़काव मे 20 से 40% की बचत होती हैं ।
* फसल के उत्पादन मे 25 से 50% वृध्दि होती हैं ।
* मानव, पशु, पक्षी और पर्यावरण के लिए पुरी तरह से सुरक्षित हैं ।

निर्देश :

प्रक्रिया 2,3,4 का छिड़काव करते समय जमीन गिली होनी चाहिए या तो छिड़काव के बाद तुरंत पानी देना जरुरी है ।
बेहतरीन नतीजों के लिए छिड़काव सुबह 11 बजे के पहले या
शाम को 5 बजे के बाद करना चाहिए ।

HARIT SANJIVANI *Fruit Special*

उपलब्धता : 500 gm

हरित संजीवनी फ्रूट स्पेशल **की विशेषताये:**

- प्राकृतिक याने सेंद्रिय(आर्गेनिक) उत्पाद है|
- 100 प्रतिशत पानी में घुलनशील है|
- फ्री फ्लो स्प्रे ड्राईड पाउडर है| इसमें प्राकृतिक प्रोटीन, समुद्री शेवाल का अर्क,नैसर्गिक कार्बनिक अम्ल से प्राप्त जैव रसायन है |
- पत्तों का आकार बढ़कर उसमे क्लोरोफिल का प्रमाण बढ़ने मे मदद मिलती है
- ज्यादा से ज्यादा फूल लगने मे मदद होती है |
- फूलों का रूपांतरण फलों में हो कर फलों का आकार,गुणवत्ता बढ़ने में मदद मिलती है |
- **हरित संजीवनी फ्रूट स्पेशल** आम,अनार,संतरा,मौसंबी,पपीता,नींबू,अंगूर,अमरुद,आवला,चीकू,स्ट्रोबेरी,बेर अंजीर,सीताफल,सेब,जामुन,लीची,अननस,नाशवती,इमली,बादाम,काजू इनके लिए फायदेमंद है|
- किसानों को बेहतर बाजार मूल्य मिलता है |
- **हरित संजीवनी फ्रूट स्पेशल** प्राकृतिक उत्पाद होने के कारण मनुष्य,पशु,पक्षी और पर्यावरण के लिए पूरी तरह से सुरक्षित है|

हरित संजीवनी फ्रूट स्पेशल इस्तेमाल कैसे करे

हरित संजीवनी फ्रूट स्पेशल 1 से 2 ग्राम पाउडर को एक लीटर पानी के अनुपात मे लेकर छिड़काव करे |

- पहला छिड़काव : पत्तों की अवस्था में करें |
- दूसरा छिड़काव : फूल लगने की अवस्था में करें |
- तीसरा छिड़काव : फलो के विकास की अवस्था में करें |

निर्देश:

हरित संजीवनी फ्रूट स्पेशल सभी प्रकार के कीटनाशक,फफूंदनाशक के साथ मिलाकर दे सकते है | सिर्फ बोर्डो मिश्रण या अल्कालाइन दवा के साथ मिलाकर छिड़काव ना करें | इसके अच्छे परिणामों के लिए सुबह 11 बजे के पहले या शाम 5 बजे के बाद छिड़काव करें |

हरित संजीवनी फ्रूट स्पेशल इस्तेमाल कैसे करे

हरित संजीवनी फ्रूट स्पेशल 1 से 2 ग्राम पाउडर को एक लीटर पानी के अनुपात मे लेकर छिड़काव करें |

1 ला छिड़काव	**पत्तों की अवस्था में (1 लिटर पानी में 1 ग्राम पावडर इस अनुपात में लेकर करें)**
2 रा छिड़काव	फूलों की अवस्था में (1 लिटर पानी में 1 ग्राम पावडर इस अनुपात में लेकर करें)
३ रा छिड़काव	फलों की विकास की अवस्था में (1 लिटर पानी में 2 ग्राम पावडर इस अनुपात में लेकर करें)
4 था छिड़काव	फलों की विकास की अवस्था में (1 लिटर पानी में 2 ग्राम पावडर इस अनुपात में लेकर करें)
5 वा छिड़काव	फलों की विकास की अवस्था में (1 लिटर पानी में 2 ग्राम पावडर इस अनुपात में लेकर करें)

निर्देश:

हरित संजीवनी फ्रुट स्पेशल सभी प्रकार के कीटनाशक, फफूंदनाशक के साथ मिलाकर दे सकते है | सिर्फ बोर्डो मिश्रण या अल्कालाइन दवा के साथ मिलाकर छिड़काव ना करें | इसके अच्छे परिणामों के लिए सुबह 11 बजे के पहले या शाम 5 बजे के बाद छिड़काव करें |

Harit Sanjivani Soil health Special

Available:500 gm

फसलों को दिये जाने वाले खाद :

- रासायनिक खाद (chemical Fertilizer) –Uriya,DAP etc
- आर्गेनिक खाद (Organic Fertilizer) – गोबर का खाद, हरी घास की खाद ,कंपोस्ट खाद
- जैविक खाद (Bio Fertilizer)--- **Azotobacter, Rhizobium,** Mycorrhiza, beneficial bacteria
- हरित संजीवनी सोइल हेल्थ स्पेशल को उच्य तकनीक का इस्तेमाल कर के Concentrated रूप में बनाया गया है. किसान जमीनों में जो रासायनिक ,आर्गेनिक और जैविक खाद डालते है उसके कार्य को बढ़ावा देने मे सहायता करता है|
- जमीनों में लाभकारी जीवाणुओं के लिए भोजन तैयार करने में मदद करता है, जो जमीनों में जीवाणुओं की संख्या को बढ़ाने और सेंद्रिय कर्ब को बढ़ाने में मदद करता है।
- जमीनों में फसलों को ना मिलने वाले अन्न तत्वों को देने मे सहायता करता है|

हरित संजीवनी -सोइल हेल्थ स्पेशल क्या है ?

हरित संजीवनी -सोइल हेल्थ स्पेशल सोइल की जरूरतों को ध्यान में रखते हुये उच्च तकनीक का इस्तेमाल कर के हरित संजीवनी -सोइल हेल्थ स्पेशल की निर्मिती की गई है| हरित संजीवनी -सोइल हेल्थ स्पेशल ये प्राकृतिक निष्कर्षण प्रक्रिया द्वारा पौधों की उत्पत्ति के विभिन्न कार्बनिक स्रोतों से प्राप्त एक स्वामित्व अनुसंधान उत्पाद है।

हरित संजीवनी -सोइल हेल्थ स्पेशल की विशेषता

*हरित संजीवनी -सोइल हेल्थ स्पेशल 100% प्राकृतिक उत्पाद है |

*हरित संजीवनी -सोइल हेल्थ स्पेशल इस्तेमाल से जमीन में अपने वजन से लगभग 7 गुना पानी धारण करने की क्षमता निर्माण करने में मदद मिलती है|

*हरित संजीवनी -सोइल हेल्थ स्पेशल इस्तेमाल से पौधों के जड़ों से पौधों को लगने वाले आवश्यक पोषक तत्वों को जल्दी से देने में कार्यक्षमता को बढाता है|

*हरित संजीवनी -सोइल हेल्थ स्पेशल इस्तेमाल से जमीन के साथ फसल की गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता को बढ़ने में मदद मिलती है|

हरित संजीवनी -सोइल हेल्थ स्पेशल इस्तेमाल कैसे करें ?

* इसे किसी भी प्रकार के खाद के साथ मिलाकर दे सकते है| इसे ड्रेचिंग या ड्रिप इरिगेशन द्वारा दे सकते है|

*हरित संजीवनी -सोइल हेल्थ स्पेशल 500 ग्राम प्रति एकड़ जमीन के लिए उपयोग करना है।

हरित संजीवनी -सोइल हेल्थ स्पेशल देने का समय :सब्जियों और खेतों की फसलों के लिए

* डोस 1-फसल की बुआई या रोपाई के समय देना आवश्यक है।
* डोस 2- ट्रिलिंग या फूलों की अवस्था में देना है।

फलों के फसलों के लिए : डोस 1- बहार उपचार या फूलों के समय देना आवश्यक है।

* डोस २ - पहले खुराक देने के 30 दिन के बाद देना है|

निर्देश :- हरित संजीवनी -सोइल हेल्थ स्पेशल सभी प्रकार के खादों के साथ दे सकते है, सिर्फ अति एसेडिक खाद के साथ ना दे |

- किसान फसलों पर आनेवाली हर तरह की बिमारियों के लिये महंगी दवाइयों का छिडकाव करते है |
- फसल का उत्पादन बढ़ाने हेतु मुख्य एवं सूक्ष्म अन्नतत्व एवं हरित संजीवनी ,श्योर सुगर जैसे उत्पादों का छिडकाव करते है |
- जादा तर ऐसा देखा जाता है की महंगी-महंगी दवाइयों का पानी में मिलाकर छिडकाव करने के बाद पत्तों पर पानी की बुँदे सही तरीके से न फैलने के कारण पत्तों पर छिडकाव किये गये दवावों का फसल पर अछे परिणाम नहीं मिलते

ऐसा क्यों होता है ?

- पानी के सर्फेस टेंशन (सतह का तनाव)की वजह से |
- सतह का तनाव क्या है ?
- पत्तों के उपर के पानी के बूंदों को फैलने से जो बाहरी बल रोकता है उसे पानी का सर्फेस टेंशन (सतह का तनाव) कहते है |

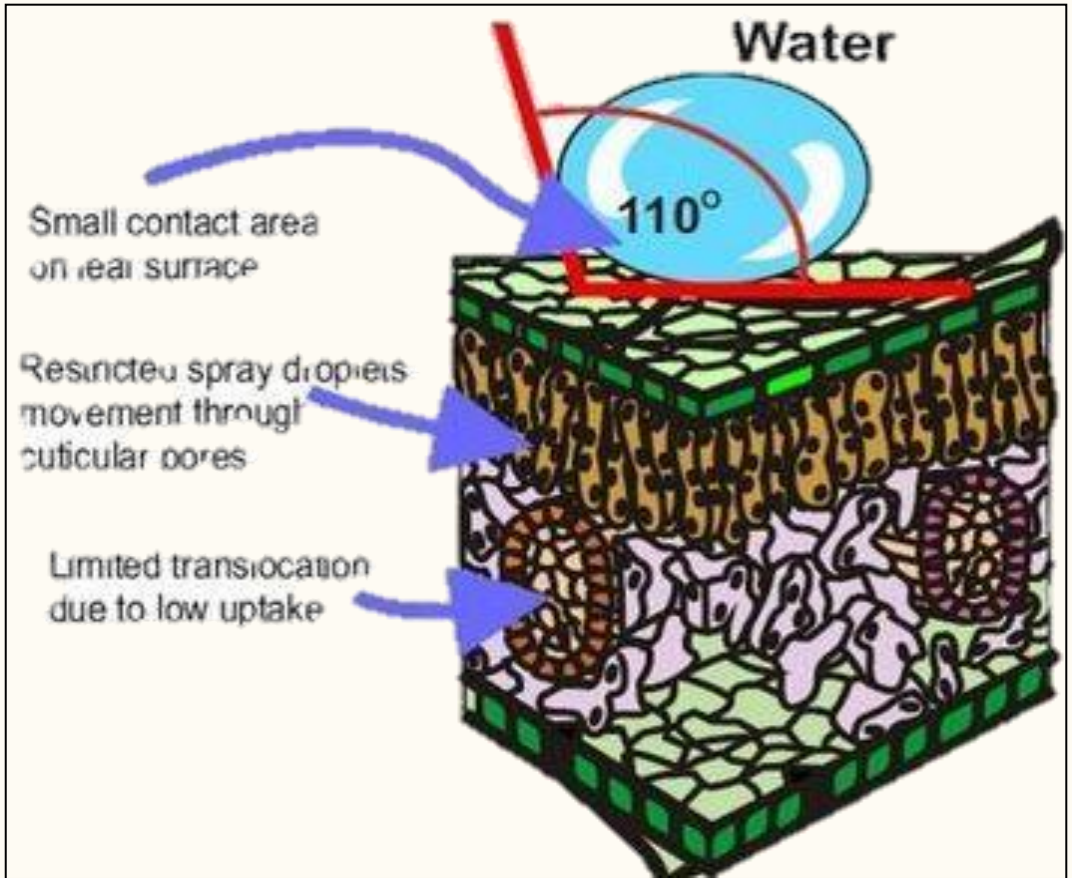

- एना आयन (- Ve), केटा आयन (+Ve), नन आयन (उदासीन)
- ये एक रासायनिक बांड है ज्यो स्प्रे सोल्यूशन और पत्तों के बिच सबंध को प्रभावित करते है |

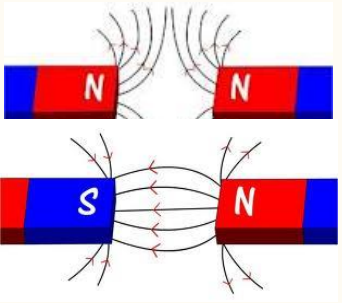

- जैसे चुम्बक के नार्थ-नार्थ पोल को सामने रख कर नजदीक लाने की कोशिश करेंगे तो ओ दूर हो जाते है| और
- नार्थ – साऊथ पोल को सामने रख कर नजदीक लाने की कोशिश करेंगे तो ओ आकर्षित हो जाते है |

- Ve

PH -7

Acidic

+ Ve

PH -7

Alkaline

Ana ionic

Cata ionic

Non ionic (Neutral)

RCM-SPRAYMAX-85

MULTI PURPOSE SPRAY ADJUVANT

- स्प्रेडर (Spreader)
- स्टिकर (Sticker)
- पेनीट्रेंट (Penetrant)
- ड्रिफ्ट कंट्रोल एजेंट (Drift control Agent)
- संगतता एजेंट (Compatibility Agent)

स्प्रेडर (Spreader)

फसलों पर छिड़काव के दवा में स्प्रेमैक्स-85 को मिलाने से पानी का सर्फेस टेंशन कम हो जाता है ,जिस कारण बुंदे जल्दी फैलती है | पत्तों पर दवा अधिक क्षेत्र में अच्छी तरह से फ़ैल जाती है|

स्टिकर (Sticker)

छिड़काव किये गये पानी की बुंदे पत्तों पर जल्दी एवं अच्छी तरह से फैलने के बाद पत्तों पर चिपक जाते है | परिणाम स्वरूप छिड़काव के बाद बरसात में भी छिड़काव की गई दवा धुलती नहीं |

पेनीट्रेंट (Penetrant)

पत्तों पर छिड़काव किये गये द्रव आसानी से पत्तों के अन्दर जा नहीं पाते , क्योंकि पानी पत्तों के उपर के क्यूटिकल लेअर को आसानी से छेद नहीं सकते ,लेकिन स्प्रेमैक्स-85 के कारन छिड़काव किये गये द्रव पत्तों के क्यूटिकल लेअर को आसानी से जल्द छेद कर पत्तों के अन्दर तक पहुँच सकते है |

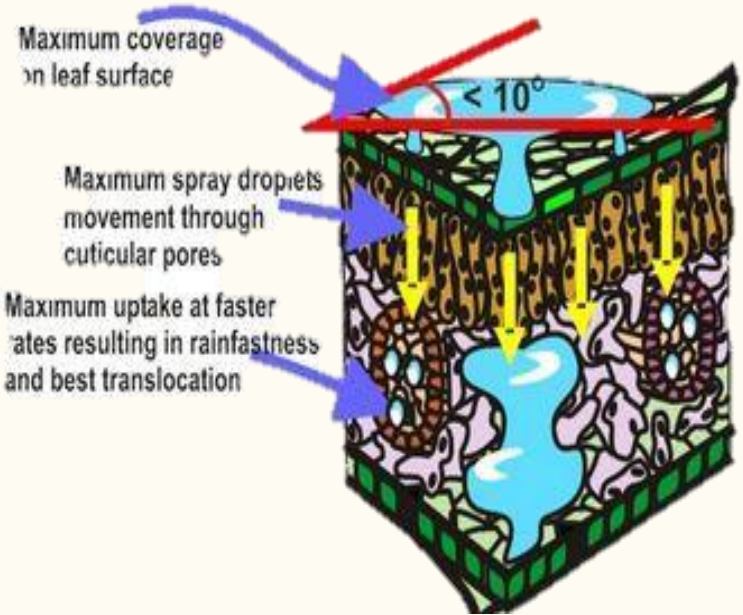

ड्रिफ्ट कंट्रोल एजेंट (Drift control Agent)

छिड़काव किये गये बूंदों के आकार को बढ़ाकर छिड़काव किये गये बूंदों के धुओं को कम करता है, इस कारन छिड़काव अच्छा होता है और उसमें बचत होती है |

संगतता एजेंट (Compatibility Agent.) :

स्प्रेमैक्स -85 को कीटनाशक,फफूंदनाशक,खरपतवार नाशक एवमं बजार में मिलने वाली किसी भी प्रकार के छिड़काव करने वाली दवा के साथ मिलाकर छिड़काव किया जा सकता है |

SPRAYMAX-85 इस्तेमाल कैसे करे

- कीटनाशक, फफूंदनाशक,के लिए 60 से70 मिली 100 लिटर पानी में मिलाकर छिड़काव करे |
- खरपतवार नाशक के लिए 100 मिली 100 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करे|
- जमीन में ड्रेंचिंग करने के लिए 500 मिली एक एकड़ के लिए उपयोग करे |

- हरित संजीवनी स्टेज २,३,४.
- हरित संजीवनी फ्रुट स्पेशल.
- डिफेंड .
- श्योर सुगर स्टेज २,३,४.
- रेपिड का छिडकाव करते समय

SPRAYMAX-85 को मिलाके ही छिड़काव करें |

RCM- श्योर सुगर™

Sugar Cane Special

RCM

1700 gm (For 1 Acre)
MRP. : ₹ 4000
BV. : 2100

STAGE NO : 1 & 5 इस्तेमाल का तरीका

गन्ना लगाते समय या लगाने के 30 दिनों तक
RCM-श्योर सुगर प्रक्रिया 1 : 250 ग्राम जमीन में देना है।

प्रक्रिया-1

गन्ना लगाने से 100 से 120 दिनों तक
RCM-श्योर सुगर प्रक्रिया 5 : 250 ग्राम जमीन में देना है।

प्रक्रिया-5

Mix with Any Chemical Fertilizer.
किसी भी रसायनिक खाद के साथ .
Mix with 30 to 40 Kg Dry Soil.
३० से ४० किलो सुखी मिट्टी के साथ .
Through Drip Irrigation
ड्रिप इरिगेशन द्वारा दे सकते है .

प्रक्रिया : 1 और 5 इस्तेमाल के फायदे

- जमीन में रसायन के अघुलनशील घटकों को घोल देता है |
- जमीन भुरभुरी बनती है |
- जमीन में नमी बढती है |
- फसल के सूक्ष्म जड़ों की वृधि होने में मदत होती है |
- प्रक्रिया -1 के निरंतर इस्तेमाल करने से जमीन में मित्र जिवानुओं का विकास होने में मदत होती है |
- जमीन में ओरगेनिक कार्बन बढ़ाने में मदत मिलती है |
- पौधों को सूक्ष्म अन्नतत्व देने में मदत होती है |
- जमीन में नायट्रोजन को स्तिर करता है |

प्रक्रिया : 2,3 और 4 इस्तेमाल का तरीका

प्रक्रिया-२, गन्ना लगाने से 40 से 45 दिनों तक
300 ग्राम पाउडर , 1 लीटर पानी में 2 ग्राम पाउडर इस अनुपात में मिलाकर छिड़काव करे |

प्रक्रिया-3, गन्ना लगाने से 60 से 65 दिनों तक
400 ग्राम पाउडर, 1 लीटर पानी में 2 ग्राम पाउडर इस अनुपात में मिलाकर छिड़काव करे |

प्रक्रिया-4, गन्ना लगाने से 80 से 85 दिनों तक
500 ग्राम पाउडर , 1 लीटर पानी में 2 ग्राम पाउडर इस अनुपात में मिलाकर छिड़काव करे |

प्रक्रिया-5, गन्ना लगाने से 100 से 120 दिनों तक
250 ग्राम जमीन में देना है |

श्योर सुगर प्रक्रिया -2,3 और 4 इस्तेमाल के फायदे

- जादा से जादा अंकुरों की पैदावार होती है |

- अंकुरों की वृधि मजबूत और तेजी से होती है |

- पत्तों का आकर बढकर पत्तों में क्लोरोफिल का प्रमाण बढने में मदत होती है,परिणाम स्वरूप प्रकाश संस्लेषण की क्रिया तेजी से होकर अन्न निर्मिती जल्दी एवं जादा होती है |

श्योर सुगर प्रक्रिया -2,3 और 4 इस्तेमाल के फायदे

- गाठों की लम्बाई बढती है |
- गाठों का आकार बढ़ता है |
- गाठों की संख्या बढती है |
- गन्ने में सुगर का प्रमाण बढ़ने में मदत होती है |
- गन्ने का सम्पूर्ण विकास होने में मदत होने के कारण उत्पादन में वृधि होती है |

RCM - श्योर सुगर : इस्तेमाल का तरीका

प्रक्रिया	समय	RCM - श्योर सुगर प्रक्रिया का इस्तेमाल
1	गन्ना लगाते समय या लगाने के 30 दिनों तक	RCM - श्योर सुगर प्रक्रिया 1 : 250 ग्राम जमीन में देना हैं ।
2	गन्ना लगाने से 40 से 45 दिनों तक	RCM - श्योर सुगर प्रक्रिया 2 300 ग्राम ड्रि द्वारा जमीन में देना चाहिए या 1 लीटर पानी में 2 ग्राम इस प्रमाण से लेकर छिड़काव कर सकते हैं ।
3	गन्ना लगाने से 60 से 65 दिनों तक	RCM - श्योर सुगर प्रक्रिया 3 400 ग्राम ड्रि द्वारा जमीन में देना चाहिए या 1 लीटर पानी में 2 ग्राम इस प्रमाण से लेकर छिड़काव कर सकते हैं ।
4	गन्ना लगाने से 90 से 100 दिनों तक	RCM - श्योर सुगर प्रक्रिया 4 500 ग्राम ड्रि द्वारा जमीन में देना चाहिए या 1 लीटर पानी में 2 ग्राम इस प्रमाण से लेकर छिड़काव कर सकते हैं ।
5	गन्ना लगाने से 100 से 120 दिनों तक	RCM - श्योर सुगर प्रक्रिया 5 : 250 ग्राम जमीन में देना हैं।

Plant Nutrition

Plant Protection

फसलों पर आनेवाली बीमारियाँ

फफूंद (fungs)

Downy mildew (डाऊनि मिल्ड्यू)	
powdery mildew (पाउडरी मिल्ड्यू)	
early blight (अर्ली ब्लाइट)	
late blight (लेट ब्लाइट)	

Anthracnose (अंतराकनोस)		**Leaf Blight (लीफ ब्लाइट)**	
wilt (विल्ट)			
Phytopthora (फयातोपथोरा)			
pythium (पिथियम)			

Defend

Increase Disease Defensive Strength

Available : 250 gm

Defend की विशेषताये

Defend – संपूर्ण रूप से अंतर प्रवाही होने के कारण पौधों में मुक्त रूप से संचार कर सकते है| जैसे डिफेंड को जमीन में पौधों को देने से वह जड़ो से पत्तों की ओर जाता है या डिफेंड को पत्तों के ऊपर छिड़काव करने से वह पत्तों से जडों की ओर जाता है| इस कार्य को बेसिपेटल और एक्रोपेटल संचार कहते है| इस कारण रोग पर Defend जल्द से जल्द कंट्रोल करने में मदद करता है|

- Defend के छिड़काव से पौधों में प्राकृतिक रूप से बायोटीन के निर्मिती में मदद मिलती है| परिणाम स्वरूप पौधों की रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है|
- Defend के छिड़काव से पौधों में बायोटीन के सेना की सिर्फ निर्मिती ही नहीं होती बल्कि उनके पोषण के लिए अन्य तत्वों को देने में भी मदद मिलती है|
- -Defend संपूर्णता सुरक्षित है|
- Defend इस सभी फसलों के लिए फायदेमंद है सभी प्रकार की सब्जियों, नींबू, संतरा, मोसंबी, सुपारी, इलायची ओर नारियल के फसलों में फायेतोप्थोरा की वजह से आने वाली बीमारियाँ में फायदेमंद है|

- **Defend** टमाटर, बैंगन, मिर्च, आलू इन पर देर से आने वाला करपा (Late Blight) इस पर फायदेमंद है|
- **Defend** अनार के फुल, पत्ते, फुल इस पर फफूंद की वजह से आने वाले धब्बे के लिए फायदेमंद है|
- **Defend** अंगूर की फसल पर आने वाली बीमारी जैसे डाऊनि मिल्ड्यू, फलकुंज पर फायदेमंद है|

Defend के इस्तेमाल का तरीका

- **Defend** 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें|
- **Defend** 500 ग्राम प्रति एकड़ में ड्रेंचिंग या ड्रिप इरिगेशन द्वारा जमीन में दे सकते है|

सुचना:

Defend को गंधक या बोर्डो मिश्रण के साथ मिलाकर छिड़काव ना करें अच्छे परिणाम के लिए सुबह 10 बजे के पहले या शाम 5 बजे के बाद छिड़काव करें|

Bacterial (बैक्टेरियल)

Canker (कैंकर)			
Bacterial Blight (बैक्टेरियल ब्लाइट)			
Xanthomonas (झान्तोमोनस)			

Viral (वायरल)

Papaya ring spot virus
(पपाया रिंग स्पॉट वायरस)

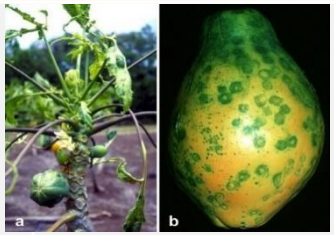

Yellow vhen mosasic
(येल्लो व्हेन मोससिक)

Chilli leaf curl
(चिली लीफ कर्ल)

Sucking pest (रस चुसक किड)

Thrips (थ्रिप्स)

Aphids (अफिड्स)

White Fly (व्हाइट फ्लाई)

Jassids (जसिड्स)

Mites (मैट्स)

RCM - रेपिड™ (Botanical Pest Immobilizer)

Available : 250 ml – MRP – 1000, BV – 390

500 ml – MRP – 1800, BV – 750

RCM - रेपिड™ (Botanical Pest Immobilizer)

* RCM-रेपिड जैविक मकडी एवं किटरोधक हैं ।
* RCM रेपिड सभी प्रकार की मकड़ी, रसचुसक किटकों पर प्रभावी परिणाम देता हैं ।
* RCM-रेपिड के छिड़काव के बाद फसल कीटकों के खाने अयोग्य हो जाती है । इस कारण कीटकों का फसल पर बुरा असर दिखाई नही देता ।
* RCM-रेपिड कपास, सब्जियाँ (सभी प्रकार की),फूल (सभी प्रकार के),फल (सभी प्रकारके),मिर्च (सभी जातीयों के लिए) चाय, कॉफी इनके लिए फायदेमंद हैं ।
* RCM-रेपिड प्राकृतिक वनस्पति से उच्च तकनिक का उपयोग करके बनाया गया हैं ।
* RCM-रेपिड प्राकृतिक वनस्पति से बनने के कारण मनुष्य,प्राणी और पर्यावरण के लिए सुरक्षित हैं ।
* RCM-रेपिड सभी कीटनाशक एवं फफुंदीनाशक के साथ मिलाकर छिड़काव कर सकते हैं ।

इस्तेमाल का तरीका :

1.5 मिली से 2 मिली प्रति लीटर पानी के अनुपात में उपयोग करें ।

गार्डन गोल्ड

Organic Manure Specially for Home Garden & Nursery

गार्डन गोल्ड इस्तेमाल का तरीका

गार्डन गोल्ड इस्तेमाल करने का तरीका

- पौधों के आकार और आयु के अनुसार ५० से १०० ग्राम गार्डन गोल्ड हर पौधों को इस्तेमाल करना है|
- पौधों को हर ३ माह में गार्डन गोल्ड का इस्तेमाल करना है |
- गार्डन गोल्ड किसी भी तरह के जैविक या रासायनिक खाद के साथ मिलाकर दे सकते है|

गार्डन गोल्ड की विशेषतायें

- गार्डन गोल्ड ये नैसर्गिक याने ओरगेनिक उत्पाद है|
- गार्डन गोल्ड ओरगेनिक उत्पाद होने के कारण पशु,पक्षी,मनुष्य,वातावरण के लिए पूरी तरह से सुरक्षित है|

गार्डन गोल्ड इस्तेमाल के फायदे

- जमीन में जलधारण क्षमता को बढ़ाने में मदद मिलती है|
- जमीन भुरभुरी बनने में मदद होती है परिणाम स्वरूप पौधों के जड़ों की वृद्धि अच्छी तरह से होती है|
- गार्डन गोल्ड इस्तेमाल से जमीन में होने वाली बिमारी को रोकने में मदद होकर फायदेमंद जिवाणुओं की वृद्धी होने में मदद मिलती है|
- पौधों का सशक्त विकास होकर पत्ते हरेभरे होते है,ज्यादा से ज्यादा फुल लगते है, फूलों फलों की और पत्तों की गिरावट में कमी आती है|
- पौधों की सशक्त वृद्धी होने के कारण पौधों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने में मदद होती है|

भारत देश के 10 लाख से ज्यादा किसानों के भरोसेमंद स्वदेशी प्रोडक्ट

Organic Product Attested by :

N O C A

NPOP-IM-7514168

NOCA,

Affiliated By: APEDA,भारत सरकार द्वारा प्रमाणित प्रोडक्ट

भाकृअनुप ICAR

ICAR,

भारत सरकार द्वारा गुणवत्ता प्रमाणित प्रोडक्ट

AFFILIATED MEMBER

Associate member

TOCKLAI

Tea Research Association, Kolkata

TEA RESEARCH ASSOCIATION, KOLKATA

कोशिश करने वालों की हार नहीं होती |